DIGITAL RESOURCE CENTRE (DRC)

CENTRAL LIBRARY

PRESS CLIPPINGS

1-31JULY

2024

CONTENT

S No	Title	Author	Newspaper	Page No.	Date of Publication
1.	वन वीक रिसर्च में निकले जरूरी तथ्य		हिन्दुस्तान	5	30/07/2024
2.	आईएफटीएम में वन वीक रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स के तीसरे दिन तक आयोजित हुए नौ सत्र		विधान केसरी	6	28/07/2024
3.	आईएफटीएम में पीएम विश्वकर्मा योजना 'सीखो और कमाओ' विषय पर वेबिनार का आयोजन		शाह टाइम्स ब्यूरो	7	28/07/2024
4.	एनसीसी के छात्रों के लिए वेबिनार आयोजित		हिन्दुस्तान	8	28/07/2024
5.	पीएम विश्वकर्मा योजना की दी जानकारी		अमर उजाला	9	28/07/2024
6.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में वन वीक रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स के तीसरे दिन तक आयोजित हुए नौ सत्र		युग बन्धु समाचार	10	28/07/2024
7.	आईएफटीएम में 'वन वीक रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स' के तीसरे दिन तक आयोजित हुए नौ सत्र		शाह टाइम्स ब्यूरो	11	28/07/2024
8.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रोपे गए पौधे		युग बन्धु समाचार	12	27/07/2024
9.	आईएफटीएम में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रोपे गए पौधे		विधान केसरी	13	27/07/2024
10.	शोध से ही बना सकते हैं वैश्विक स्तर पर पहचान		दैनिक जागरण	14	27/07/2024
11.	कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में आईएफटीएम विवि में पौधरोपण करते हुए।		हिन्दुस्तान	15	27/07/2024

12.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'कारगिल विजय दिवस' के अवसर पर रोपे गए पौधे		शाह टाइम्स ब्यूरो	16	27/07/2024
13.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ वन वीक रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स पर आधारित कार्यशाला का शुभारंभ		युग बन्धु समाचार	17	26/07/2024
14.	आईएफटीएम में हुआ वन वीक रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स पर आधारित कार्यशाला का शुभारंभ		विधान केसरी	18	26/07/2024
15.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में कार्यशाला का हुआ शुभारंभ		शाह टाइम्स ब्यूरो	19	26/07/2024
16.	जल संरक्षण का महत्व बताया		दैनिक जागरण	20	24/07/2024
17.	भूजल सप्ताह को लेकर प्रतियोगिता आयोजित एवं रितिका सक्सेना को मिली शोध उपाधि		हिन्दुस्तान	21	24/07/2024
18.	आईएफटीएम में 'भूजल सप्ताह' मनाए जाने के तहत हुआ विविध कार्यक्रमों का आयोजन		शाह टाइम्स ब्यूरो	22	24/07/2024
19.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में भूजल सप्ताह मनाए जाने के तहत हुआ विविध कार्यक्रमों का आयोजन		युग बन्धु समाचार	23	24/07/2024
20.	आईएफटीएम के प्रो. नवनीत वर्मा को मिला स्वस्थ भारत सारथी सम्मान		विधान केसरी	24	23/07/2024
21.	नवनीत वर्मा को मिला 'स्वस्थ भारत सारथी' सम्मान		अमर उजाला	25	23/07/2024
22.	प्रो. नवनीत वर्मा को मिला स्वस्थ भारत सारथी सम्मान		हिन्दुस्तान	26	23/07/2024
23.	आईएफटीएम के प्रो. नवनीत वर्मा को मिला 'स्वस्थ भारत सारथी' सम्मान		शाह टाइम्स ब्यूरो	27	23/07/2024
24.	प्रो. नवनीत वर्मा को मिला 'स्वस्थ भारत सारथी' सम्मान		दैनिक जागरण	28	23/07/2024

25.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के प्रो. नवनीत वर्मा को मिला स्वस्थ भारत सारथी सम्मान		युग बन्धु समाचार	29	23/07/2024
26.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ जन अभियान-2024 के अन्तर्गत हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन		युग बन्धु समाचार	30	21/07/2024
27.	आईएफटीएम में 'पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ' जन अभियान 2024 के अन्तर्गत हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन		शाह टाइम्स ब्यूरो	31	21/07/2024
28.	आईएफटीएम में पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ जन अभियान के तहत हुआ पौधरोपण।		हिन्दुस्तान	32	21/07/2024
29.	प्रकृति संतुलन और मानव जीवन में पौधों की अहम भूमिका		दैनिक जागरण	33	21/07/2024
30.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के 05 विद्यार्थियों को फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित जीपैट-परीक्षा में मिली सफलता		युग बन्धु समाचार	34	21/07/2024
31.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ जन अभियान-2024 के अन्तर्गत हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन		युग बन्धु समाचार	35	21/07/2024

30 JULY

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, मंगलवार, 30 जुलाई 2024 04

वन वीक रिसर्च में निकले जरूरी तथ्य

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'वन वीक रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स' के तीसरे दिन तक कई सत्र आयोजित किए गए। इसमें तकनीकी सत्र में आईएफटीएम विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण व ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक प्रो. अरुण कुमार मिश्र ने 'पब्लिकेशन एथिक्स इन व्यू ऑफ रिसर्च' विषय पर व्याख्यान दिए। इसके अलावा चार सत्र और हुए। यहां डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. इला अरोरा, डॉ. सरिता, डॉ. मोहित मिश्रा, डॉ. बिंदु सिंह, डॉ. राजकुमारी गोला, डॉ. परीना बंसल, रश्मि पांडेय रहे।

कोर्स में मौजूद अतिथि।

28 JULY

आईएफटीएम में वन वीक रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स के तीसरे दिन तक आयोजित हुए नौ सत्र

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में नॉर्दर्न रीजनल सेंटर- इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (एनआरसी-आईसीएसएसआर), दिल्ली द्वारा प्रायोजित व स्कूल ऑफ एजूकेशन एंड मैनिटीज (पूर्व में स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज) में संचालित अंग्रेजी विभाग की ओर से आयोजित ह्यवन वीक रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स के तीसरे दिन तक कुल नौ सत्र आयोजित किए गए। जिसमें दूसरे तकनीकी सत्र में आईएफटीएम विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण व ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक प्रो. अरुण कुमार मिश्र ने पब्लिकेशन एथिक्स इन व्यू ऑफ रिसर्च विषय पर, तीसरे सत्र में गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन के प्रोफेसर, प्रभारी स्कूल ऑफ फिल्म मेकिंग एवं मूक्स प्रोग्राम के नेशनल कोऑर्डिनेटर प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी ने नेचर एंड टाइप्स ऑफ सोशल साइंस रिसर्च विषय पर, चौथे सत्र में हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज, हरिद्वार के ड्राइंग एंड पेंटिंग, विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रीति गुप्ता ने आइडेंटीफिकेशन ऑफ रिसर्च प्रॉब्लम्स विषय पर, पांचवें सत्र में आईसीएसएसआर, दिल्ली के पूर्व निदेशक-शोध डॉ. अजय गुप्ता ने सोशल साइंस रिसर्च विकसित भारत 2024 विषय पर, छठे सत्र में विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, नई दिल्ली के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रमेश शर्मा ने डाटा सोर्सेज एंड टाइप्स विषय पर, सातवें सत्र में मेरठ कॉलेज, मेरठ की प्रो. सुमन चौहान ने डिफरेंशिएट बिटवीन इन्फॉर्मेशन एंड डाटा विषय पर, आठवां, यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई के कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म विभाग के प्रो. सुंदर राजदीप ने टूल्स एंड टेक्निक्स ऑफ डाटा कलेक्शन विषय पर तथा नवें सत्र में केआईआईटी, भुवनेश्वर के स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजीव कुमार पांडा ने रिपोर्ट राइटिंग एंड इवेल्यूएशन विषय पर अपने-अपने व्याख्यान दिए। साथ ही सत्र के दौरान प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का विशेषज्ञों ने संतोषजनक उत्तर भी दिए। स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड मैनिटीज के निदेशक व कार्यशाला के चेयरपर्सन प्रो. मोहन लाल आर्य एवं सीनियर प्रोफेसर डॉ. राजकुमारी सिंह ने सत्र के दौरान उपस्थित सभी अतिथियों का बुके और प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्षा व कार्यशाला की संयोजिका डॉ. शिवाली सिंह ने बताया कि यह कार्यशाला ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यम से आयोजित की जा रही है। डॉ. सिंह ने बताया कि कार्यशाला में अभी 5 सत्र और आयोजित किए जाएंगे तथा अंतिम 15वें समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जायेंगे। उन्होंने भी कहा कि यह कार्यशाला 31 जुलाई तक चलेगी। शिक्षा शास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निकिता यादव, अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री पुरोबी बनर्जी, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री पुलकित शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यशाला के सह संयोजक डॉ. राजेश कुमार शुक्ल ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. इला अरोड़ा, डॉ. सरिता, डॉ. मोहित मिश्रा, डॉ. बिंदु सिंह, डॉ. राजकुमारी गोला, डॉ. परीना बंसल, सुश्री रश्मि पाण्डेय, डॉ. मंजीता गहलोत, डॉ. मृदुल बंसल, डॉ. सारिका दुबे, डॉ. पूजा गुप्ता, डॉ आशुतोष शर्मा, डॉ. नितिन कुमार, श्री राहुल कुमार शर्मा आदि की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, शिक्षक व शोधार्थी उपस्थित रहे।

28 JULY

आईएफटीएम में पीएम विश्वकर्मा योजना 'सीखो और कमाओ' विषय पर वेबिनार का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में एनसीसी निदेशालय, लखनऊ, उ0प्र0 के निर्देशानुसार विश्व. विद्यालय की 9 यूपी गर्ल्स बटालियन, एनसीसी इकाई की ओर से कैडेट्स को पीएम विश्वकर्मा योजना 'सीखो और कमाओ' के प्रति जागरूक करने की दृष्टि से एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। इस वेबिनार में विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एण्ड इंजीनियरिंग के निदेशक प्रो. वीरेंद्र सिंह मुख्य वक्ता की भूमिका में रहे। मुख्य वक्ता प्रो. सिंह ने एनसीसी कैडेट्स को पीएम विश्वकर्मा योजना 'सीखो और कमाओ' के बारे में बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को इस योजना से परिचित कराना है। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से युवा विभिन्न कार्यों को सीखकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस योजना के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों को रोजगार के लिए सरकार प्रतिदिन के हिसाब से 500 रूपए स्टाईपेंड देकर प्रशिक्षण दे रही है। इसी कड़ी में उन्होंने

यह भी बताया कि इस योजना के अंतर्गत युवाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए रोजगार हेतु उन्हें 3 लाख रूपए तक न्यूनतम ब्याज दर पर ऋण भी उपलब्ध कराने की भी व्यवस्था है। साथ ही उन्होंने इस पीएम विश्वकर्मा योजना 'सीखो और कमाओ' योजना का लाभ उठाने हेतु आवेदन प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार के साथ जानक. ारी उपलब्ध कराई।

इस मौके पर मेजर (प्रोफेसर) राजकुमारी सिंह ने कैडेट्स को इस योजना के प्रति प्रेरित करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं। इस वेबिनार में एनसीसी इकाई की केयर टेकर सुश्री रश्मि पाण्डेय एवं पत्रकारिता विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री पुलकित शर्मा समेत 29 से अधिक एनसीसी गर्ल्स कैडेटस ने प्रतिभाग किया।

28JULY

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, रविवार, 28 जुलाई 2024

06

एनसीसी के छात्रों के लिए वेबिनार आयोजित

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 9 यूपी गर्ल्स बटालियन, एनसीसी इकाई की ओर से कैडेट्स को पीएम विश्वकर्मा योजना 'सीखो और कमाओ' के प्रति जागरूक करने की दृष्टि से एक वेबिनार का आयोजन किया गया। यहां विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, निदेशक प्रो. वीरेंद्र सिंह, मेजर प्रो. राजकुमारी सिंह, रश्मि पांडेय, पुलकित शर्मा आदि मौजूद रहे।

28JULY

अमर उजाला

मुरादाबाद | रविवार, 28 जुलाई 2024 7

पीएम विश्वकर्मा योजना की दी जानकारी

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में एनसीसी निदेशालय, लखनऊ, उप्र के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय की 9 यूपी गर्ल्स बटालियन, एनसीसी इकाई की ओर से वेबिनार का आयोजन किया गया। कैडेट्स को पीएम विश्वकर्मा योजना 'सीखो और कमाओ' के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य वक्ता स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक प्रो. वीरेंद्र सिंह ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को इस योजना से परिचित कराना है। इस योजना के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों को रोजगार के लिए सरकार प्रतिदिन के हिसाब से पांच सौ रुपये भुगतान देकर प्रशिक्षण दे रही है। इस दौरान मेजर (प्रोफेसर) राजकुमारी सिंह, रश्मि पांडेय, पुलकित शर्मा आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

28JULY

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में वन वीक रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स के तीसरे दिन तक आयोजित हुए नौ सत्र

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में नॉर्दर्न रीजनल सेंटर- इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (एनआरसी-आईसीएसएसआर), दिल्ली द्वारा

प्रायोजित व स्कूल ऑफ एजूकेशन एंड मैनिटीज (पूर्व में स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज) में संचालित अंग्रेजी विभाग की ओर से आयोजित वन वीक रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स के तीसरे दिन तक कुल नौ सत्र आयोजित किए गए। जिसमें दूसरे तकनीकी सत्र में आईएफटीएम विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण व ओंकार सरन स्कूल ऑफ फामेर्सी के निदेशक प्रो. अरुण कुमार मिश्र ने पब्लिकेशन एथिक्स इन व्यू ऑफ रिसर्च विषय पर, तीसरे सत्र में गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन के प्रोफेसर, प्रभारी स्कूल ऑफ फिल्म मेकिंग एवं मूक्स प्रोग्राम के नेशनल कोऑर्डिनेटर प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी ने नेचर एंड टाइप्स ऑफ सोशल साइंस रिसर्च विषय पर, चौथे सत्र में हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज, हरिद्वार के ड्राइंग एंड पेंटिंग; विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रीति गुप्ता ने आइडेंटीफिकेशन ऑफ रिसर्च प्रॉब्लम्स विषय पर, पांचवें सत्र में आईसीएसएसआर, दिल्ली के पूर्व निदेशक-शोध डॉ. अजय गुप्ता ने सोशल साइंस रिसर्च विकसित भारत 2024 विषय पर, छठे सत्र में विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, नई दिल्ली के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रमेश शर्मा ने डाटा सोर्सेज एंड टाइप्स विषय पर, सातवें सत्र में मेरठ कॉलेज, मेरठ की प्रो. सुमन चैहान ने डिफरेंशिएट बिटवीन इन्फॉर्मेशन एंड डाटा विषय पर, आठवां, यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई के कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म विभाग के प्रो. सुंदर राजदीप ने टूल्स एंड टेक्निक्स ऑफ डाटा कलेक्शन विषय पर तथा नवें सत्र में केआईआईटी, भुवनेश्वर के स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजीव कुमार पांडा ने रिपोर्ट राइटिंग एंड इवेल्यूएशन विषय पर अपने-अपने व्याख्यान दिए। साथ ही सत्र के दौरान प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का विशेषज्ञों ने संतोषजनक उत्तर भी दिए।

स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड मैनिटीज के निदेशक व कार्यशाला के चेयरपर्सन प्रो. मोहन लाल आर्य एवं सीनियर प्रोफेसर डॉ. राजकुमारी सिंह ने सत्र के दौरान उपस्थित सभी अतिथियों का बुके और प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्षा व कार्यशाला की संयोजिका डॉ. शिवाली सिंह ने बताया कि यह कार्यशाला ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यम से आयोजित की जा रही है। डॉ. सिंह ने बताया कि कार्यशाला में अभी 5 सत्र और आयोजित किए जाएंगे तथा अंतिम 15वें समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जायेंगे। उन्होंने भी कहा कि यह कार्यशाला 31 जुलाई तक चलेगी। शिक्षा शास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निकिता यादव, अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री पुरोबी बनर्जी, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री पुलकित शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यशाला के सह संयोजक डॉ. राजेश कुमार शुक्ल ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. इला अरोड़ा, डॉ. सरिता, डॉ. मोहित मिश्रा, डॉ. बिंदु सिंह, डॉ. राजकुमारी गोला, डॉ. परीना बंसल, सुश्री रश्मि पाण्डेय, डॉ. मंजीता गहलोत, डॉ. मृदुल बंसल, डॉ. सारिका दुबे, डॉ. पूजा गुप्ता, डॉ आशुतोष शर्मा, डॉ. नितिन कुमार, राहुल कुमार शर्मा आदि की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, शिक्षक व शोधार्थी उपस्थित रहे। वि

28JULY

आईएफटीएम में 'वन वीक रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स' के तीसरे दिन तक आयोजित हुए नौ सत्र

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में नॉर्दर्न रीजनल सेंटर- इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (एनआरसी- आईसीएस एसआर), दिल्ली द्वारा प्रायोजित व स्कूल ऑफ एजूकेशन एंड ह्यूमैनिटीज (पूर्व में स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज) में संचालित अंग्रेजी विभाग की ओर से आयोजित 'वन वीक रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स' के तीसरे दिन तक कुल नौ सत्र आयोजित किए गए। जिसमें दूसरे तकनीकी सत्र में आईएफटीएम विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण व ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक प्रो. अरुण कुमार मिश्र ने 'पब्लिकेशन एथिक्स इन व्यू ऑफ रिसर्च' विषय पर, तीसरे सत्र में गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन के प्रोफेसर, प्रभारी स्कूल ऑफ फिल्म मेकिंग एवं मूक्स प्रोग्राम के नेशनल कोऑर्डिनेटर प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी ने 'नेचर एंड टाइप्स ऑफ सोशल साइंस रिसर्च' विषय पर, चौथे सत्र में हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज, हरिद्वार के 'ड्राइंग एंड पेंटिंग; विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रीति गुप्ता ने 'आइडेंटीफिकेशन ऑफ रिसर्च प्रॉब्लम्स' विषय पर, पांचवें सत्र में आईसीएसएसआर, दिल्ली के पूर्व निद. शक-शोध डॉ. अजय गुप्ता ने 'सोशल साइंस रिसर्च विकसित भारत 2024' विषय पर, छठे सत्र में विवेक. नंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, नई दिल्ली के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रमेश शर्मा ने 'डाटा सोर्सेज एंड टाइप्स' विषय पर, सातवें सत्र में मेरठ कॉलेज, मेरठ की प्रो. सुमन चौहान ने 'डिफरेंशिएट बिटवीन इन्फॉर्मेशन एंड डाटा' विषय पर, आठवां, यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई के कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म विभाग के प्रो. सुंदर राजदीप ने 'टूल्स एंड टेक्निक्स ऑफ डाटा कलेक्शन' विषय पर तथा नवें सत्र में केआईआईटी,

भुवनेश्वर के स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजीव कुमार पांडा ने 'रिपोर्ट राइटिंग एंड इवेल्यूएशन' विषय पर अपने-अपने व्याख्यान दिए। साथ ही सत्र के दौरान प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का विशेषज्ञों ने संतोषजनक उत्तर भी दिए। स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निद. शक व कार्यशाला के चेयरपर्सन प्रो. मोहन लाल 'आर्य' एवं सीनियर प्रोफेसर डॉ. राजकुमारी सिंह ने सत्र के दौरान उपस्थित सभी अतिथियों का बुके और प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्षा व कार्यशाला की संयोजिका डॉ. शिवाली सिंह ने बताया कि यह कार्यशाला ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यम से आयोजित की जा रही है। डॉ. सिंह ने बताया कि कार्यशाला में अभी 5 सत्र और आयोजित किए जाएंगे तथा अंतिम 15वें समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जायेंगे। उन्होंने भी कहा कि यह कार्यशाला 31 जुलाई तक चलेगी। शिक्षा शास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निकिता यादव, अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री पुरोबी बनर्जी, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री पुलकित शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यशाला के सह संयोजक डॉ. राजेश कुमार शुक्ल ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. इला अरोड़ा, डॉ. सरिता, डॉ. मोहित मिश्रा, डॉ. बिंदु सिंह, डॉ. राजकुमारी गोला, डॉ. परीना बंसल, सुश्री रश्मि पाण्डेय, डॉ. मंजीता गहलोत, डॉ. मृदुल बंसल, डॉ. सारिका दुबे, डॉ. पूजा गुप्ता, डॉ आशुतोष शर्मा, डॉ. नितिन कुमार, श्री राहुल कुमार शर्मा आदि की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, शिक्षक व शोधार्थी उपस्थित रहे।

27JULY

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रोपे गए पौधे

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 24 यूपी बटालियन एनसीसी एवं 9 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी की ओर से आयोजित कारगिल विजय दिवस के अवसर पर ट्री प्लांटेशन ड्राइव की थीम पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने एनसीसी कैडेट्स को कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए पौधा रोपित कर पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय के अनेक कार्यक्रमों में एनसीसी की कैडेट्स की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। प्रो. अग्रवाल ने बताया कि भारत के इतिहास में कारगिल विजय ह्यशौर्य दिवसह्ल के रूप में मनाया जाता है हमें गर्व है अपने अमर बलिदानी सैनिकों पर जिन्होंने अपने बलिदान से हमारे तिरंगे के मान सम्मान को बढ़ाया। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. श्याम बिहारी मिश्रा, स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक प्रो. मोहन लाल आर्य, लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस के विभागाध्यक्ष प्रो. ब्रिजेंद्र सिंह राजपूत ने भी एनसीसी कैडेट्स के साथ पौधे रोपित किए।

इस दौरान एनसीसी इकाई की कैडेट्स ने अत्यंत उत्साह व रूचि के साथ पौधारोपण कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। एनसीसी इकाई की मेजर प्रो. राजकुमारी सिंह ने सभी कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन के लिए बहुत जरूरी है और पौधारोपण करना हम सबका परम कर्तव्य है हम सभी के द्वारा पौधे रोपित करने के बाद जीवितता हेतु उनकी देखभाल भी करनी चाहिए। पौधारोपण कार्यक्रम के सफल आयोजन में कार्यक्रम संयोजक व एनसीसी के केयर टेकर श्री सनी कुमार तथा केयर टेकर सुश्री रश्मि पाण्डेय की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के निदेशकगणों एवं शिक्षकगणों समेत 20 ब्वायज तथा 10 गर्ल्स कैडेट्स उपस्थित रहे। वि0

27JULY

आईएफटीएम में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रोपे गए पौधे

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 24 यूपी बटालियन एनसीसी एवं 9 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी की ओर से आयोजित कारगिल विजय दिवस के अवसर पर ट्री प्लांटेशन ड्राइव की थीम पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने एनसीसी कैडेट्स को कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए पौधा रोपित कर पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय के अनेक कार्यक्रमों में एनसीसी की कैडेट्स की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। प्रो. अग्रवाल ने बताया कि भारत के इतिहास में कारगिल विजय शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है हमें गर्व है अपने अमर बलिदानी सैनिकों पर जिन्होंने अपने बलिदान से हमारे तिरंगे के मान सम्मान को बढ़ाया। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. श्याम बिहारी मिश्रा, स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड मैनिटीज के निदेशक प्रो. मोहन लाल आर्य, लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस के विभागाध्यक्ष प्रो. ब्रिजेंद्र सिंह राजपूत ने भी एनसीसी कैडेट्स के साथ पौधे रोपित किए। इस दौरान एनसीसी इकाई की कैडेट्स ने अत्यंत उत्साह व रूचि के साथ पौधारोपण कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। एनसीसी इकाई की मेजर प्रो. राजकुमारी सिंह ने सभी कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन के लिए बहुत जरूरी है और पौधारोपण करना हम सबका परम कर्तव्य है हम सभी के द्वारा पौधे रोपित करने के बाद जीवितता हेतु उनकी देखभाल भी करनी चाहिए। पौधारोपण कार्यक्रम के सफल आयोजन में कार्यक्रम संयोजक व एनसीसी के केयर टेकर श्री सनी कुमार तथा केयर टेकर सुश्री रश्मि पाण्डेय की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के निदेशकगणों एवं शिक्षकगणों समेत 20 ब्वायज तथा 10 गर्ल्स कैडेट्स उपस्थित रहे।

27JULY

2 दैनिक जागरण मुरादाबाद, 27 जुलाई, 2024

शोध से ही बना सकते हैं वैश्विक स्तर पर पहचान

मुरादाबाद : आइएफटीएम विवि में नार्थ रीजनल सेंटर- इंडियन काउंसिल आफ सोशल साइंस रिसर्च (एनआरसी-आइएसएसआर), दिल्ली की ओर से 'वन वीक रिसर्च मेथोडोलाजी कोर्स पर कार्यशाला शुरू हुई। स्कूल आफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज में संचालित अंग्रेजी विभाग की ओर से आयोजित कार्यशाला में कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि उच्च स्तरीय शोध के माध्यम से हम वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। गेस्ट आफ आनर व गुरुगोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी के प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी ने कहा कि शोध कर रहे विद्यार्थियों और युवा अध्यापकों को सोशल साइंस के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों से अपडेट रहना चाहिए। वि.

विजय दिवस पर रोपे पौधे

आइएफटीएम विवि में 24 यूपी बटालियन एनसीसी एवं 9 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी की ओर से आयोजित कारगिल विजय दिवस के अवसर पर पौधरोपण किया गया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, स्कूल आफ ला के निदेशक प्रो. श्याम बिहारी मिश्रा, स्कूल आफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक प्रो.मोहन लाल 'आर्य', प्रो. ब्रिजेंद्र सिंह राजपूत ने भी पौधे रोपे।

27JULY

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, शनिवार, 27 जुलाई 2024 04

कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में आईएफटीएम विवि में पौधरोपण करते हुए।

पौधरोपण कर मनाया कारगिल विजय दिवस

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में शुक्रवार को 24 यूपी बटालियन एनसीसी और 9 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी की ओर से कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में ट्री प्लांटेशन ड्राइव की थीम पर पौधरोपण किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर संजीव अग्रवाल भारत के इतिहास में कारगिल विजय शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है।

27JULY

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'कारगिल विजय दिवस' के अवसर पर रोपे गए पौधे

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 24 यूपी बटालियन एनसीसी एवं 9 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी की ओर से आयोजित 'कारगिल विजय दिवस' के अवसर पर ''ट्री प्लांटेशन ड्राइव'' की थीम पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने एनसीसी कैडेट्स को कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए पौधा रोपित कर पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय के अनेक कार्यक्रमों में एनसीसी की कैडेट्स की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। प्रो. अग्रवाल ने बताया कि भारत के इतिहास में कारगिल विजय 'शौर्य दिवस' के रूप में मनाया जाता है हमें गर्व है अपने अमर बलिदानी सैनिकों पर जिन्होंने अपने बलिदान से हमारे तिरंगे के मान सम्मान को बढ़ाया। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. श्याम बिहारी मिश्रा, स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक प्रो. मोहन लाल 'आर्य', लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस के विभागाध्यक्ष प्रो. ब्रिजेंद्र सिंह राजपूत ने भी एनसीसी कैडेट्स के साथ पौधे रोपित किए। इस दौरान एनसीसी इकाई की कैडेट्स ने अत्यंत उत्साह व रूचि के साथ पौधारोपण कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। एनसीसी इकाई की मेजर प्रो. राज. कुमारी सिंह ने सभी कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन के लिए बहुत जरूरी है और पौधारोपण करना हम सबका परम कर्तव्य है हम सभी के द्वारा पौधे रोपित करने के बाद जीवितता हेतु उनकी देखभाल भी करनी चाहिए। पौधारोपण कार्यक्रम के सफल आयोजन में कार्यक्रम संयोजक व एनसीसी के केयर टेकर श्री सनी कुमार तथा केयर टेकर सुश्री रश्मि पाण्डेय की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के निदेशकगणों एवं शिक्षकगणों समेत 20 ब्वायज तथा 10 गर्ल्स कैडेट्स उपस्थित रहे।

26JULY

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ वन वीक रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स पर आधारित कार्यशाला का शुभारंभ

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में नॉर्थन रीजनल सेंटर-इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (एनआरसी-आईसीएसएसआर), दिल्ली द्वारा प्रायोजित व स्कूल ऑफ एजुकेशन एण्ड ह्यूमैनिटीज (पूर्व में स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज) में संचालित अंग्रेजी विभाग की ओर से आयोजित वन वीक रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स पर आधारित कार्यशाला का कार्यक्रम के गेस्ट ऑफ ऑनर व विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल एवं कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने कहा कि उच्च स्तरीय शोध के माध्यम से हम वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शोध की गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए यह कार्यशाला बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। कार्यशाला के गेस्ट ऑफ ऑनर व गुरुगोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन के प्रोफेसर, प्रभारी स्कूल ऑफ फिल्म मेकिंग एवं मूक्स प्रोग्राम के नेशनल कोऑर्डिनेटर प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी ने कहा कि शोध कर रहे विद्यार्थियों और युवा अध्यापकों को सोशल साइंस के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों से अपडेट रहना चाहिए। इससे शोध के विषय को चुनने में सहायता मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सामाजिक शोध का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है। इस क्षेत्र में किया जाने वाला नया शोध अध्ययन सामाजिक उत्थान में बेहद सहायक सिद्ध होगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण व ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक प्रो. अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि सभी विभागों के शोधकर्ता यदि मिलकर किसी विषय का शोध अध्ययन करें, तो इसके बेहतर परिणाम आयेंगे।

स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक व कार्यशाला के अध्यक्ष प्रो. मोहन लाल आर्य एवं सीनियर प्रोफेसर डॉ. राजकुमारी सिंह ने सभी अतिथियों का बुके और प्रतीक चिन्ह भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्षा व कार्यशाला की संयोजिका डॉ. शिवाली सिंह ने एक सप्ताह तक चलने वाली कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ. सिंह ने बताया कि इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 146 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। उन्होंने बताया कि यह कार्यशाला 31 जुलाई तक चलेगी। शिक्षा शास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निकिता यादव, अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री पुरोबी बनर्जी, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री पुलकित शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यशाला के सह संयोजक डॉ. राजेश कुमार शुक्ल ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. इला अरोड़ा, डॉ. सरिता, डॉ. मोहित मिश्रा, डॉ. बिंदु सिंह, डॉ. राजकुमारी गोला, डॉ. परीना बंसल, सुश्री रश्मि पाण्डेय, डॉ. मंजीता गहलोत, डॉ. मृदुल बंसल, डॉ. सारिका दुबे, डॉ. पूजा गुप्ता, डॉ आशुतोष शर्मा, डॉ. नितिन कुमार, श्री राहुल कुमार शर्मा आदि की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, शिक्षक व शोधार्थी उपस्थित रहे। वि0

26JULY

आईएफटीएम में हुआ वन वीक रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स पर आधारित कार्यशाला का शुभारंभ

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में नॉर्थर्न रीजनल सेंटर- इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (एनआरसी-आईसीएसएसआर), दिल्ली द्वारा प्रायोजित व स्कूल ऑफ एजुकेशन एण्ड ह्यूमैनिटीज (पूर्व में स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज) में संचालित अंग्रेजी विभाग की ओर से आयोजित ह्यवन वीक रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स पर आधारित कार्यशाला का कार्यक्रम के गेस्ट ऑफ ऑनर व विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल एवं कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने कहा कि उच्च स्तरीय शोध के माध्यम से हम वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शोध की गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए यह कार्यशाला बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। कार्यशाला के गेस्ट ऑफ ऑनर व गुरुगोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन के प्रोफेसर, प्रभारी स्कूल ऑफ फिल्म मेकिंग एवं मूक्स प्रोग्राम के नेशनल कोऑर्डिनेटर प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी ने कहा कि शोध कर रहे विद्यार्थियों और युवा अध्यापकों को सोशल साइंस के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों से अपडेट रहना चाहिए। इससे शोध के विषय को चुनने में सहायता मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सामाजिक शोध का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है। इस क्षेत्र में किया जाने वाला नया शोध अध्ययन सामाजिक उत्थान में बेहद सहायक सिद्ध होगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण व ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक प्रो. अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि सभी विभागों के शोधकर्ता यदि मिलकर किसी विषय का शोध अध्ययन करें, तो इसके बेहतर परिणाम आयेंगे।

स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक व कार्यशाला के अध्यक्ष प्रो. मोहन लाल ह्यआर्यह्व एवं सीनियर प्रोफेसर डॉ. राजकुमारी सिंह ने सभी अतिथियों का बुके और प्रतीक चिन्ह भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्षा व कार्यशाला की संयोजिका डॉ. शिवाली सिंह ने एक सप्ताह तक चलने वाली कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ. सिंह ने बताया कि इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 146 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। उन्होंने बताया कि यह कार्यशाला 31 जुलाई तक चलेगी। शिक्षा शास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निकिता यादव, अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री पुरोबी बनर्जी, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री पुलकित शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यशाला के सह संयोजक डॉ. राजेश कुमार शुक्ल ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. इला अरोड़ा, डॉ. सरिता, डॉ. मोहित मिश्रा, डॉ. बिंदु सिंह, डॉ. राजकुमारी गोला, डॉ. परीना बंसल, सुश्री रश्मि पाण्डेय, डॉ. मंजीता गहलोत, डॉ. मृदुल बंसल, डॉ. सारिका दुबे, डॉ. पूजा गुप्ता, डॉ आशुतोष शर्मा, डॉ. नितिन कुमार, श्री राहुल कुमार शर्मा आदि की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, शिक्षक व शोधार्थी उपस्थित रहे।

26JULY

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में नॉर्थर्न रीजनल सेंटर-इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (एनआरसी -आईसीएस एस आर), दिल्ली द्वारा प्रायोजित व स्कूल ऑफ एजुकेशन एण्ड ह्यूमैनिटीज (पूर्व में स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज) में संचालित अंग्रेजी विभाग की ओर से आयोजित 'वन वीक रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स' पर आधारित कार्यशाला का कार्यक्रम के गेस्ट ऑफ ऑनर व विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल एवं कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने कहा कि उच्च स्तरीय शोध के माध्यम से हम वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शोध की गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए यह कार्यशाला बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। कार्यशाला के गेस्ट ऑफ ऑनर व

गुरुगोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन के प्रोफेसर, प्रभारी स्कूल ऑफ फिल्म मेकिंग एवं मूक्स प्रोग्राम के नेशनल कोऑर्डिनेटर प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी ने कहा कि शोध कर रहे विद्यार्थियों और युवा अध्यापकों को सोशल साइंस के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों से अपडेट रहना चाहिए। इससे शोध के विषय को चुनने में सहायता मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सामाजिक शोध का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है। इस क्षेत्र में किया जाने वाला नया शोध अध्ययन सामाजिक उत्थान में बेहद सहायक सिद्ध होगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण व ऑकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक प्रो. अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि सभी विभागों के शोधकर्ता यदि मिलकर किसी विषय का शोध अध्ययन करें, तो इसके बेहतर परिणाम आयेंगे। स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक व कार्यशाला के अध्यक्ष प्रो. मोहन लाल 'आर्य' एवं सीनियर प्रोफेसर डॉ. राज. कुमारी सिंह ने सभी अतिथियों का बुके और प्रतीक चिन्ह भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्षा व कार्यशाला की संयोजिका डॉ. शिवाली सिंह ने एक सप्ताह तक चलने वाली कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ. सिंह ने बताया कि इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 146 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। उन्होंने बताया कि यह कार्यशाला 31 जुलाई तक चलेगी। शिक्षा शास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निकिता यादव, अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री पुरोबी बनर्जी, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री पुलकित शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यशाला के सह संयोजक डॉ. राजेश कुमार शुक्ल ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. इला अरोड़ा, डॉ. सरिता, डॉ. मोहित मिश्रा, डॉ. बिंदु सिंह, डॉ. राजकुमारी गोला, डॉ. परीना बंसल, सुश्री रश्मि पाण्डेय, डॉ. मंजीता गहला, ते, डॉ. मृदुल बंसल, डॉ. सारिका दुबे, डॉ. पूजा गुप्ता, डॉ आशुतोष शर्मा, डॉ. नितिन कुमार, श्री राहुल कुमार शर्मा आदि की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, शिक्षक व शोधार्थी उपस्थित रहे।

24JULY

12 दैनिक जागरण मुरादाबाद, 24 जुलाई, 2024

जल संरक्षण का महत्व बताया

मुरादाबाद : आइएफटीएम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई एवं वनस्पति विज्ञान विभाग ने संयुक्त रूप से 16 से लेकर 22 जुलाई तक भूजल सप्ताह मनाया गया। इसके अंतर्गत स्लोगन लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। समन्वयक एवं स्कूल आफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बीके सिंह ने भूजल की महत्ता बताते हुए भावी पीढ़ियों को इस महत्वपूर्ण संसाधन की रक्षा करने की सलाह दी। साथ ही बीएससी-जेडबीसी, द्वितीय वर्ष की छात्रा अफीफा खान ने भूजल की धारणीय उपयोगिता और भूजल संरक्षण की आवश्यकता पर जानकारी दी। आयोजन सचिव डा. समीर चंद्रा ने शासन द्वारा बनाए गए 'भूजल अधिनियम, 2019' तथा 'जल शक्ति मिशन' की सफलता तथा प्रदेश में भूजल के सुधरते हुए स्तर के बारे में पावर-प्वाइंट के माध्यम से चर्चा की। वि.

24JULY

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद
बुधवार
24 जुलाई 2024
03

भूजल सप्ताह को लेकर प्रतियोगिता आयोजित

मुरादाबाद। आईएफटीएम विवि में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 16 से लेकर 22 जुलाई तक भूजल के तहत स्लोगन लेखन एंव भाषण प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। एनएसएस इकाई के समन्वयक एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बीके सिंह ने भावी पीढ़ियों को इस महत्वपूर्ण संसाधन की रक्षा करने की सलाह दी।

रितिका सक्सेना को मिली शोध उपाधि

मुरादाबाद। रितिका सक्सेना को आईएफटीएम यूनिवर्सिटी के बायोटेक्नोलॉजी विभाग ने पीएचडी (डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी) की उपाधि प्रदान की है। उन्होंने 'इन सिलिको वैलिडेशन एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ बायोकेमिकल मार्कर ऑफ फर्टिलिटी ऑफ मेंमेलियन स्पर्मेटोजोआ' विषय पर अपना शोध पूरा किया है। शोध कार्य एसआरआईएमटी, लखनऊ के प्रो. संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

24JULY

आईएफटीएम में 'भूजल सप्ताह' मनाए जाने के तहत हुआ विविध कार्यक्रमों का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्व. विद्यालय में उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस. एस.) इकाई एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 16 से लेकर 22 जुलाई तक "भूजल सप्ताह" मनाए जाने के अंतर्गत स्लोगन लेखन एंव भाषण प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्व. विद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम व एन.एस.एस. इकाई के समन्वयक एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने भूजल की महत्ता बताते हुए भावी पीढ़ियों को इस महत्वपूर्ण संसाधन की रक्षा करने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान छात्र एवं छात्राओं ने स्लोगन लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से भूजल संरक्षण एवं उसके उपयोग पर प्रकाश डाला। साथ ही बी.एस.सी.-जेड. बी.सी., द्वितीय वर्ष की छात्रा अफीफा खान ने अपने भाषण में भूजल की धारणीय उपयोगिता तथा भविष्य

के लिए भूजल संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तार के साथ जानकारी दी। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. समीर चंद्रा ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भूजल संरक्षण के लिए कराए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों एवं उनकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने शासन द्वारा बनाए गये 'भूजल अधिनियम, 2019' तथा 'जल शक्ति मिशन' की सफलता तथा प्रदेश में भूजल के सुधरते हुए स्तर के बारे में पावर-पाइंट के माध्यम से विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई। कार्यक्रम के सह-आयोजक डॉ. अशोक कुमार ने इस कार्यक्रम की भूमिका और समाज पर पड़ने वाले इसके प्रभाव को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। कार्यक्रम आयोजक व वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देश दीपक ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान स्कूल ऑफ साइंसेज के डॉ. शिव प्रताप सिंह, डॉ. पूजा नारंग, डॉ. उदित यादव, डॉ. वंदना आनन्द, डॉ. सुधा मठपाल, डॉ. संजना तिवारी, डॉ. तृप्ति पांडे एवं स्किल डेवलपमेंट सेल के श्री अमितेश समेत 65 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

24JULY

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में भूजल सप्ताह मनाए जाने के तहत हुआ विविध कार्यक्रमों का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश सरकार के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 16 से लेकर 22 जुलाई तक भूजल सप्ताह मनाए जाने के अंतर्गत स्लोगन लेखन एंव भाषण प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम व एन.एस.एस. इकाई के समन्वयक एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने भूजल की महत्ता बताते हुए भावी पीढ़ियों को इस महत्वपूर्ण संसाधन की रक्षा करने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान छात्र एवं छात्राओं ने स्लोगन लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से भूजल संरक्षण एवं उसके उपयोग पर प्रकाश डाला। साथ ही बी.एस.सी.-जेड. बी.सी., द्वितीय वर्ष की छात्रा अफीफा खान ने अपने भाषण में भूजल की धारणीय उपयोगिता तथा भविष्य के लिए भूजल संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तार के साथ जानकारी दी।

कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. समीर चंद्रा ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भूजल संरक्षण के लिए कराए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों एवं उनकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने शासन द्वारा बनाए गये भूजल अधिनियम, 2019 तथा जल शक्ति मिशन की सफलता तथा प्रदेश में भूजल के सुधरते हुए स्तर के बारे में पावर-पाइंट के माध्यम से विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई। कार्यक्रम के सह-आयोजक डॉ. अशोक कुमार ने इस कार्यक्रम की भूमिका और समाज पर पड़ने वाले इसके प्रभाव को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। कार्यक्रम आयोजक व वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देश दीपक ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान स्कूल ऑफ साइंसेज के डॉ. शिव प्रताप सिंह, डॉ. पूजा नारंग, डॉ. उदित यादव, डॉ. वंदना आनन्द, डॉ. सुधा मठपाल, डॉ. संजना तिवारी, डॉ. तृप्ति पांडे एवं स्किल डेवलपमेंट सेल के अमितेश समेत 65 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। वि0

23JULY

आईएफटीएम के प्रो. नवनीत वर्मा को मिला स्वस्थ भारत सारथी सम्मान

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति एवं फामेर्सी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा को 19 से 21 जुलाई के बीच आयोजित तीन दिवसीय स्वास्थ्य संसद-2024 समारोह के दौरान स्वस्थ भारत सारथी सम्मान से सम्मानित किया गया है। स्वस्थ भारत (पंजी० न्यास) द्वारा ह्यह्यअमृत काल में भारत का स्वास्थ्य एवं आहार परंपराह्यह्य विषय पर आधारित यह समारोह अयोध्या के आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौधोगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। प्रो. वर्मा को यह सम्मान पूर्व केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा राज तथा आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या के कुलपति प्रो. बिजेंद्र सिंह के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. बिजेंद्र सिंह ने बताया कि लगातार दो दिनों तक चले विश्वविद्यालय के विविध कार्यक्रमों में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल महोदया श्रीमती आनंदी बेन पटेल एवं गुजरात के राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत की भी गणमान्य उपस्थिति रही।

प्रो. वर्मा को यह सम्मान फामेर्सी की नई विधाओं और फामेर्सी शिक्षा के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए प्रदान किया गया है। प्रो. वर्मा ने बताया कि तीन दिनों तक चले इस कार्यक्रम में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान देने वाले विख्यात वैज्ञानिक, विशेषज्ञ और वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे। पूर्व में भी विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा समय-समय पर प्रो. वर्मा को सम्मानित किया जा चुका है। प्रो. वर्मा के अथक परिश्रम के फलस्वरूप स्वास्थ्य एवं फामेर्सी के क्षेत्र में उनके लगभग 75 शोध-पत्र देश एवं विदेश की शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं, इसके अतिरिक्त उनके 12 पेटेंट्स भी प्रकाशित एवं ग्रांट हो चुके हैं। प्रो. वर्मा लगातार 18 वर्षों से आईएफटीएम विश्वविद्यालय में रिसर्च के कार्यों में लगे हुए हैं तथा कई बार देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में रिसर्च से सम्बंधित व्याख्यान भी दे चुके हैं। प्रो. वर्मा की इस उपलब्धि के लिए आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल ने बधाई देते हुए कहा कि प्रो. वर्मा की इस उपलब्धि पर समस्त विश्वविद्यालय परिवार को गर्व की अनुभूति हो रही है। कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रो. वर्मा द्वारा अर्जित उनकी यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को अवश्य प्रेरित करेगी।

23JULY

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | मंगलवार, 23 जुलाई 2024
7

नवनीत वर्मा को मिला 'स्वस्थ भारत सारथी' सम्मान

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति एवं फार्मेसी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा को स्वस्थ भारत सारथी सम्मान से सम्मानित किया गया।

नवनीत वर्मा।

यह सम्मान उन्हें 19 से 21 जुलाई के बीच आयोजित तीन दिवसीय स्वास्थ्य संसद-2024 समारोह में मिला। प्रो. नवनीत वर्मा ने बताया कि स्वस्थ भारत (पंजी० न्यास) द्वारा 'अमृत काल में भारत का स्वास्थ्य एवं आहार परंपरा'' विषय पर आधारित यह समारोह अयोध्या के आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया था। ब्यूरो

23JULY

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, मंगलवार, 23 जुलाई 2024 04

प्रो. नवनीत वर्मा को मिला स्वस्थ भारत सारथी सम्मान

मुरादाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति एवं फार्मेसी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा को 'स्वस्थ भारत सारथी' सम्मान से नवाजा गया है। 19 से 21 जुलाई के बीच आयोजित तीन दिवसीय स्वास्थ्य संसद 2024 समारोह के दौरान उन्हें सम्मानित किया गया। स्वस्थ भारत (पंजी. न्यास) की ओर से 'अमृत काल में भारत का स्वास्थ्य एवं आहार परंपरा' विषय पर आधारित यह समारोह अयोध्या के आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया था। प्रो. वर्मा को यह सम्मान पूर्व केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री कृष्णा राज तथा आचार्य नरेंद्र देव विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिजेंद्र सिंह ने दिया। प्रो. वर्मा को यह सम्मान फार्मेसी की नई विधाओं और फार्मेसी शिक्षा के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए दिया गया है।

प्रो. नवनीत वर्मा।

प्रो. वर्मा ने बताया कि तीन दिनों तक चले इस कार्यक्रम में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान देने वाले विख्यात वैज्ञानिक, विशेषज्ञ और वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे। पूर्व में भी विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा समय-समय पर प्रो. वर्मा को सम्मानित किया जा चुका है।

23JULY

आईएफटीएम के प्रो. नवनीत वर्मा को मिला 'स्वस्थ भारत सारथी' सम्मान

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति एवं फार्मेसी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा को 19 से 21 जुलाई के बीच आयोजित तीन दिवसीय स्वास्थ्य संसद-2024 समारोह के दौरान 'स्वस्थ भारत सारथी' सम्मान से सम्मानित किया गया है। स्वस्थ भारत (पंजी० न्यास) द्वारा ''अमृत काल में भारत का स्वास्थ्य एवं आहार परंपरा'' विषय पर आधारित यह समारोह अयोध्या के आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौधोगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। प्रो. वर्मा को यह सम्मान पूर्व केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा राज तथा आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या के कुलपति प्रो. बिजेंद्र सिंह के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. बिजेंद्र सिंह ने बताया कि लगातार दो दिनों तक चले विश्व. विद्यालय के विविध कार्यक्रमों में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल महोदया श्रीमती आनंदी बेन पटेल एवं गुजरात के राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत की भी गणमान्य उपस्थिति रही। प्रो. वर्मा को यह सम्मान फार्मेसी की नई विधाओं और फार्मेसी शिक्षा के क्षेत्र में उनके

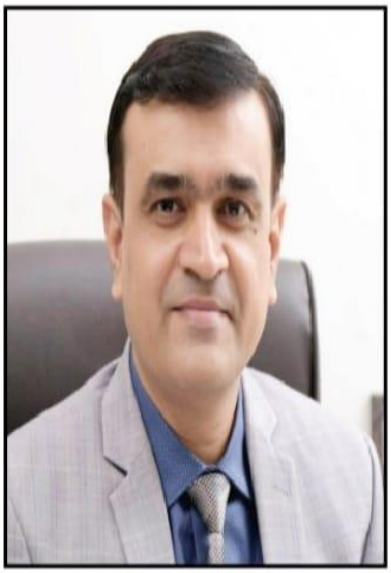

अनुकरणीय योगदान के लिए प्रदान किया गया है। प्रो. वर्मा ने बताया कि तीन दिनों तक चले इस कार्यक्रम में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान देने वाले विख्यात वैज्ञानिक, विशेषज्ञ और वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे। पूर्व में भी विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा समय-समय पर प्रो. वर्मा को सम्मानित किया जा चुका है। प्रो. वर्मा के अथक परिश्रम के फलस्वरूप स्वास्थ्य एवं फार्मेसी के क्षेत्र में उनके लगभग 75 शोध-पत्र देश एवं विदेश की शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं, इसके अतिरिक्त उनके 12 पेटेंट्स भी प्रकाशित एवं ग्रांट हो चुके हैं। प्रो. वर्मा लगातार 18 वर्षों से आईएफटीएम विश्वविद्यालय में रिसर्च के कार्यों में लगे हुए हैं तथा कई बार देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में रिसर्च से सम्बंधित व्याख्यान भी दे चुके हैं। प्रो. वर्मा की इस उपलब्धि के लिए आईएफटीएम विश्व. विद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल ने बधाई देते हुए कहा कि प्रो. वर्मा की इस उपलब्धि पर समस्त विश्व. विद्यालय परिवार को गर्व की अनुभूति हो रही है। कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रो. वर्मा द्वारा अर्जित उनकी यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को अवश्य प्रेरित करेगी।

23JULY

6 दैनिक जागरण मुरादाबाद, 23 जुलाई, 2024

प्रो. नवनीत वर्मा को मिला 'स्वस्थ भारत सारथी' सम्मान

मुरादाबाद : आइएफटीएम विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति एवं फार्मेसी संकाय के डीन प्रो . नवनीत वर्मा को 19 से 21 जुलाई के बीच आयोजित स्वास्थ्य संसद–2024 समारोह के दौरान 'स्वस्थ भारत सारथी' सम्मान से सम्मानित किया गया है। स्वस्थ भारत द्वारा अमृत काल में भारत का स्वास्थ्य एवं आहार परंपरा विषय पर आधारित यह समारोह अयोध्या के आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। प्रो . वर्मा को यह सम्मान पूर्व केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री कृष्णाराज तथा आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो . बिजेंद्र सिंह ने प्रदान किया। प्रो . वर्मा को यह सम्मान फार्मेसी की नई विधाओं और फार्मेसी शिक्षा के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए प्रदान किया गया है। प्रो . वर्मा के स्वास्थ्य एवं फार्मेसी के क्षेत्र में 75 शोध–पत्र देश एवं विदेश की शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। वि .

स्वस्थ भारत सारथी सम्मान के साथ प्रतिकुलपति प्रो . नवनीत वर्मा ●

23JULY

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के प्रो. नवनीत वर्मा को मिला स्वस्थ भारत सारथी सम्मान

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति एवं फामेर्सी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा को 19 से 21 जुलाई के बीच आयोजित तीन दिवसीय स्वास्थ्य संसद-2024 समारोह के दौरान स्वस्थ भारत सारथी सम्मान से सम्मानित किया गया है। स्वस्थ भारत (पंजी० न्यास) द्वारा अमृत काल में भारत का स्वास्थ्य एवं आहार परंपरा विषय पर आधारित यह समारोह अयोध्या के आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौधोगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। प्रो. वर्मा को यह सम्मान पूर्व केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा राज तथा आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या के कुलपति प्रो. बिजेंद्र सिंह के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. बिजेंद्र सिंह ने बताया कि लगातार दो दिनों तक चले विश्वविद्यालय के विविध कार्यक्रमों में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल महोदया श्रीमती आनंदी बेन पटेल एवं गुजरात के राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत की भी गणमान्य उपस्थिति रही।

प्रो. वर्मा को यह सम्मान फामेर्सी की नई विधाओं और फामेर्सी शिक्षा के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए प्रदान किया गया है। प्रो. वर्मा ने बताया कि तीन दिनों तक चले इस कार्यक्रम में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान देने वाले विख्यात वैज्ञानिक, विशेषज्ञ और वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे। पूर्व में भी विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा समय-समय पर प्रो. वर्मा को सम्मानित किया जा चुका है। प्रो. वर्मा के अथक परिश्रम के फलस्वरूप स्वास्थ्य एवं फामेर्सी के क्षेत्र में उनके लगभग 75 शोध-पत्र देश एवं विदेश की शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं, इसके अतिरिक्त उनके 12 पेटेंट्स भी प्रकाशित एवं ग्रांट हो चुके हैं। प्रो. वर्मा लगातार 18 वर्षों से आईएफटीएम विश्वविद्यालय में रिसर्च के कार्यों में लगे हुए हैं तथा कई बार देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में रिसर्च से सम्बंधित व्याख्यान भी दे चुके हैं। प्रो. वर्मा की इस उपलब्धि के लिए आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल ने बधाई देते हुए कहा कि प्रो. वर्मा की इस उपलब्धि पर समस्त विश्वविद्यालय परिवार को गर्व की अनुभूति हो रही है। कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रो. वर्मा द्वारा अर्जित उनकी यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को अवश्य प्रेरित करेगी। एजेंसी

21JULY

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ जन अभियान-2024 के अन्तर्गत हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे पेड़ लगाओ पेड बचाओ जन अभियान-2024 के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्कूल ऑफ साइंसेज एवं स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल सांइसेज एण्ड इंजीनियरिंग के सहयोग से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने आज के इस पेड़ लगाओ पेड बचाओ जन अभियान-2024 व एक पौधा माँ के नाम वृक्षारोपण जन आन्दोलन-2024 कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रकृति के संतुलन व मानव के जीवन को सुखी एवं समृद्ध बनाए रखने में वृक्षारोपण का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमें प्राण वायु देने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की औषधियां, भोजन, ईंधन आदि भी उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मनुष्य के अलावा वन्य जीव-जन्तु एवं पशु-पक्षी भी अपने जीवन के लिए वृक्षों पर निर्भर रहते हैं तथा वृक्ष पर्यावरण संतुलित रखने के साथ ही धरा का प्राकृतिक सौन्दर्य भी बढाते है। साथ ही उन्होंने रोपित किए गए पोधों की जीवतता सुनिश्चित करने हेतु उनकी निरन्तर देखभाल करने की भी सलाह दी।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने वृक्षारोपण के प्रति सभी उपस्थितों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे अपने सम्पर्क में आने वाले अन्य लोगों को भी अधिक से अधिक जन सहभागिता के साथ इस पेड़ लगाओ पेड बचाओ जन अभियान-2024 में सहयोग करें। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बढ़ते औद्योगिकीकरण, शहरीकरण व सड़क निर्माण के कारण वृक्षों का तेजी से कटान होने के कारण नये वृक्षों का रोपण करना एंव उनका संरक्षण करना और भी अधिक आवश्यक हो गया है। कार्यक्रम व एनएसएस इकाई के समन्वयक एवं स्कूल सॉफ साइसेज के निदेशक प्रो० बी०के० सिंह ने जानकारी दी इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विश्वविद्यालय परिसर में सागौन, शीशम एवं अर्जुन प्रजाति के 200 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल मिश्रा, प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो० वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति-रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट प्रो० नवनीत वर्मा, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह एवं कैम्पस इंजीनियर प्रो० सी०एस० नगीला ने जन सहभागिता के साथ वृक्षारोपण में भाग लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजक स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एण्ड इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ० रमेश पाल व सह आयोजक डॉ० अशोक कुमार समेत रुचि चौधरी, डॉ० एम०पी० सिंह, डॉ. कमलेश यादव, डॉ० शिवप्रताप एवं डॉ. सुधा मथपाल आदि फैंकल्टी मैम्बर्स का विशेष योगदान रहा। एजेंसी

21JULY

आईएफटीएम में 'पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ' जन अभियान 2024 के अन्तर्गत हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे ''पेड़ लगाओ पेड बचाओ'' जन अभियान-2024 के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्कूल ऑफ साइंसेज एवं स्कूल ऑफ

एग्रीकल्चरल सांइसेज एण्ड इंजीनियरिंग के सहयोग से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने आज के इस ''पेड़ लगाओ पेड बचाओ'' जन अभियान-2024 व 'एक पौधा माँ के नाम वृक्षारोपण जन आन्दोलन-2024' कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रकृति के संतुलन व मानव के जीवन को सुखी एवं समृद्ध बनाए रखने में वृक्षारोपण का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमें प्राण वायु देने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की औषधियां, भोजन, ईंधन आदि भी उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मनुष्य के अलावा वन्य जीव-जन्तु एवं पशु-पक्षी भी अपने जीवन के लिए वृक्षों पर निर्भर रहते हैं तथा वृक्ष पर्यावरण संतुलित रखने के साथ ही धरा का प्राकृतिक सौन्दर्य भी बढाघ्ते है। साथ ही उन्होंने रोपित किए गए पोधों की जीवतता सुनिश्चित करने हेतु उनकी निरन्तर देखभाल करने की भी सलाह दी।

कार्यक्रम व एनएसएस इकाई के समन्वयक एवं स्कूल सॉफ साइसेज के निदेशक प्रो० बी०के० सिंह ने जानक. ारी दी इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विश्व. विद्यालय परिसर में सागौन, शीशम एवं अर्जुन प्रजाति के 200 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल मिश्रा, प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो० वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति-रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट प्रो० नवनीत वर्मा, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह एवं कैम्पस इंजीनियर प्रो० सी०एस० नगीला ने जन सहभागिता के साथ वृक्षारोपण में भाग लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजक स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एण्ड इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ० रमेश पाल व सह आयोजक डॉ० अशोक कुमार समेत श्रीमति रुचि चौधरी, डॉ० एम०पी० सिंह, डॉ. कमलेश यादव, डॉ० शिवप्रताप एवं डॉ. सुधा मथपाल आदि फैंकल्टी मैम्बर्स का विशेष योगदान रहा।

21JULY

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, रविवार, 21 जुलाई 2024

04

आईएफटीएम में पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ जन अभियान के तहत हुआ पौधरोपण।

आईएफटीएम में हुआ पौधरोपण

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से स्कूल ऑफ साइंसेज और स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल सांइसेज एंड इंजीनियरिंग के सहयोग से पौधरोपण का आयोजन किया गया। मौके पर कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय, कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रो. बीके सिंह, प्रो. राहुल मिश्रा, प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रो. नवनीत वर्मा, डॉ. कुशल पाल सिंह रहे।

21JULY

दैनिक जागरण मुरादाबाद, 21 जुलाई, 2024

आइएफटीएम में पौधारोपण करते शिक्षक व अन्य ● सौ .विवि

प्रकृति संतुलन और मानव जीवन में पौधों की अहम भूमिका

मुरादाबाद : आइएफटीएम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 200 पौधे रोपित किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो . महेंद्र प्रसाद पांडेय ने कहा कि प्रकृति के संतुलन व मानव के जीवन को सुखी एवं समृद्ध बनाए रखने में पौधारोपण का विशेष महत्व है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो . संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति–एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो . राहुल मिश्रा, प्रतिकुलपति–एकेडेमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो . वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति–रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो . नवनीत वर्मा, वित्त अधिकारी डा . कुशल पाल सिंह एवं कैम्पस इंजीनियर प्रो . सीएस नगीला, कार्यक्रम व एनएसएस इकाई के समन्वयक एवं स्कूल आफ सांइसेज के निदेशक प्रो . बीके सिंह ने पौधारोपण किया।

21JULY

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के 05 विद्यार्थियों को फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित जीपैट-परीक्षा में मिली सफलता

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फामेर्सी संकाय के पांच विद्यार्थियों ने फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित ग्रेजुएट फामेर्सी एप्टीट्यूड टेस्ट (जीपैट) में सफलता प्राप्त की है, जिसके परिणाम 8 जुलाई को जारी किए गए थे। इस परीक्षा में चयनित विद्यार्थी बी.फार्म अंतिम वर्ष के हैं तथा भारत के किसी भी प्रतिष्ठित फामेर्सी संस्थान के एम.फार्म कोर्स में एडमीशन लेने पर उन्हें फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर आईएफटीएम विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति-रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट व डीन ऑफ फामेर्सी डॉ. नवनीत वर्मा ने कहा जीपैट-परीक्षा में सफल होने के लिए कड़ी मेहनत, लगन एवं समर्पण की आवश्यकता है। हमारे विद्यार्थियों ने दिन-रात मेहनत कर-के यह मुकाम हासिल किया है, और उनकी यह सफलता विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कदम है, साथ ही उनकी इस सफलता से विश्वविद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को भी अवश्य प्रेरणा मिलेगी।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने सभी चयनित विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम द्वारा अर्जित इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने कहा कि इन विद्यार्थियों की इस उत्कृष्ट सफलता से विश्वविद्यालय का नाम रोशन हुआ है। उन्होंने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि को उनकी अपनी मेहनत के साथ ही शिक्षकों और परिवार की भी प्रेरणा एवं मेहनत का परिणाम बताते हुए कहा कि इस परीक्षा की तैयारी कराने एवं मार्गदर्शन हेतु लगी विश्वविद्यालय पूरी टीम विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रही है। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने यह भी कहा कि इस परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले इन विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है और अपने परिवार और शिक्षकों का गौरव बढ़ाया है। इस जीपैट-परीक्षा में चयनित होने वाले विद्यार्थियों में छात्र नितेश धनेश्री, प्रशांत शर्मा, समरीन, संकेत कुमार एवं वैभव तिवारी के नाम शामिल हैं। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर समस्त विश्वविद्यालय परिवार ने गर्व व्यक्त किया है। (वि0)

21JULY

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ जन अभियान-2024 के अन्तर्गत हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे पेड़ लगाओ पेड बचाओ जन अभियान-2024 के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्कूल ऑफ साइंसेज एवं स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल सांइसेज एण्ड इंजीनियरिंग के सहयोग से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने आज के इस पेड़ लगाओ पेड बचाओ जन अभियान-2024 व एक पौधा माँ के नाम वृक्षारोपण जन आन्दोलन-2024 कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रकृति के संतुलन व मानव के जीवन को सुखी एवं समृद्ध बनाए रखने में वृक्षारोपण का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमें प्राण वायु देने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की औषधियां, भोजन, ईंधन आदि भी उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मनुष्य के अलावा वन्य जीव-जन्तु एवं पशु-पक्षी भी अपने जीवन के लिए वृक्षों पर निर्भर रहते हैं तथा वृक्ष पर्यावरण संतुलित रखने के साथ ही धरा का प्राकृतिक सौन्दर्य भी बढाते है। साथ ही उन्होंने रोपित किए गए पोधों की जीवतता सुनिश्चित करने हेतु उनकी निरन्तर देखभाल करने की भी सलाह दी।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने वृक्षारोपण के प्रति सभी उपस्थितों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे अपने सम्पर्क में आने वाले अन्य लोगों को भी अधिक से अधिक जन सहभागिता के साथ इस पेड़ लगाओ पेड बचाओ जन अभियान-2024 में सहयोग करें। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बढ़ते औद्योगिकीकरण, शहरीकरण व सड़क निर्माण के कारण वृक्षों का तेजी से कटान होने के कारण नये वृक्षों का रोपण करना एंव उनका संरक्षण करना और भी अधिक आवश्यक हो गया है। कार्यक्रम व एनएसएस इकाई के समन्वयक एवं स्कूल सॉफ साइसेज के निदेशक प्रो० बी०के० सिंह ने जानकारी दी इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विश्वविद्यालय परिसर में सागौन, शीशम एवं अर्जुन प्रजाति के 200 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल मिश्रा, प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो० वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति-रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट प्रो० नवनीत वर्मा, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह एवं कैम्पस इंजीनियर प्रो० सी०एस० नगीला ने जन सहभागिता के साथ वृक्षारोपण में भाग लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजक स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एण्ड इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ० रमेश पाल व सह आयोजक डॉ० अशोक कुमार समेत रुचि चौधरी, डॉ० एम०पी० सिंह, डॉ. कमलेश यादव, डॉ० शिवप्रताप एवं डॉ. सुधा मथपाल आदि फैकल्टी मैम्बर्स का विशेष योगदान रहा। एजेंसी